प्रशासनिक सेवा अधिकारियों ने भी विश्वविद्यालय में प्राप्त किया प्रशिक्षण

पंतनगर। 3 अक्टूबर, 2009। विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय द्वारा नियमित रूप से किसानों, कृषि उद्यमियों एवं बेरोजगार युवक–युवतियों को कृषि आधारित स्वरोजगार सम्बन्धी प्रशिक्षण देने के साथ–साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय प्रषासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के उत्तराखण्ड संवर्ग के बैच 2008 के अधिकारियों का यह छः दिवसीय कृषि प्रषिक्षण 22–26 सितम्बर, 2009 को कराया गया। प्रषिक्षण के दौरान आई.ए.एस. अधिकारियों को कृषि बागवानी, सब्जी ,जड़ी–बूटी, डेरी, बीज उत्पादन एवं कृषि प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलोजी एवं प्रबन्धन विषय पर जानकारी दी गई। प्रषिक्षण के दौरान कुलपति डा. बी.एस.बिष्ट ने विष्वविद्यालय की परियोजनाओं एवं विष्वविद्यालय में चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि उत्तराखण्ड के विकास हेतु राज्य में चलने वाले विकासषील कार्यक्रमों का निरन्तर मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अति आवष्यक है जिसमें उन्होंने प्रषासनिक अधिकारियों की अहम भूमिका बतायी। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि, डा. जे.पी. तिवारी; अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, डा. वी.के. सिक्का; कार्यवाहक अधिष्ठाता पषु चिकित्सा एवं पषुविज्ञान, डा. वाई.पी. एस. दबास; अधिष्ठाता प्राद्यौगिकी, डा. एम.पी. सिंह तथा कार्यवाहक अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान, डा. यू.पी.सिंह ने अपने–अपने महाविद्यालययों में चलने वाली परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त डा. अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष बायोटेक्नालाजी एवं डा. आर.पी. सिंह, एमेरिटस वैज्ञानिक (मषरूम) ने भी व्यवसायिक मषरूम की विस्तृत जानकारी दी। उत्तराखण्ड संवर्ग बैच –2008 के प्रथम स्थान पर रहे श्री. श्रीधर बाबू ए. एवं डा. ए. कार्तिक ने भी विष्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबन्धन तथा पषुचिकित्सा एवं पषुविज्ञान महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भारतीय प्रषासनिक सेवा परीक्षा सम्बन्धी जानकारी दी। प्रषासनिक अधिकारियों ने विष्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यों की सराहना की।

इसके अतिरिक्त प्रसार षिक्षा निदेषालय द्वारा माह सितम्बर में ए.डी.पी. वर्ड विजन सीतापुर के तीन–तीन दिन के दो प्रषिक्षण कार्यक्रम सितम्बर 12–16, 2009 को आयोजित किये गये जिनमें वैज्ञानिकों द्वारा धान, गेहूँ, सब्जी, दलहन, तिलहन के बीज उत्पादन, उनका भण्डारण एवं बाजारीकरण से सम्बन्धित जानकारी दी गई। इस प्रषिक्षण कार्यक्रम में सीतापुर, उ.प्र. से आये 60 कृषकों ने भाग लिया। विष्वविद्यालय द्वारा पोषित स्वरोजगार योजना के अर्न्तगत मषरूम उत्पादन प्रषिक्षण कार्यक्रम सितम्बर 22–26, 2009 को आयोजित किया गया जिसमें मषरूम विषेषज्ञों द्वारा मषरूम की खाद बनाना, स्पान बनाना, केसिन मृदा बनाने की तकनीक से लेकर बटन मषरूम, ढिंगरी मषरूम एवं दूधिया मषरूम की उन्नत खेती के बारे में विस्तृत प्रयोगात्मक जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, लखीमपुर खीरी, ठाकुर द्वारा, सीतापुर, नैनीताल, पीलीभीत, रामपुर व लखनऊ, के 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।